अंक –1

द्वितीय वर्ष

राज्य परियोजना कार्यालय
राजीव गांधी शिक्षा मिशन
रायपुर छ.ग.

डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम शिक्षा गुणवत्ता अभियान

जून 2016

डॉ.ए.पी.जे.
अब्दुल कलाम
शिक्षा गुणवत्ता अभियान

शिक्षा का अधिकार
सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें

आमुख

गत वर्ष आप सभी के साथ माह जून से मार्च तक प्रति माह कुल दस माह तक चर्चा पत्रों के माध्यम से वैचारिक आदान प्रदान होता रहा | आप सभी ने इस प्रक्रिया को पसंद किया और इसके माध्यम से संकुल में अकादमिक चर्चाओं का माहौल भी बनने की बात स्वीकार की | कई जिलों ने तो अपने स्तर पर चर्चा पत्र तैयार करने का संकल्प लिया | इस सत्र से राज्य शैक्षिक अनुसन्धान एवं प्रशिक्षण परिषद ने भी इस कार्य में शामिल होने पर सहमति व्यक्त की है | एस.सी.ई.आर.टी. व्दारा इस सत्र से अकादमिक बैठकों में भी सक्रिय सहभागिता लेने एवं संकुलों के साथ करीब से काम करते हुए शालाओं में अकादमिक सुधार की दिशा में कार्य करने की भी योजना है |

गत वर्ष आप सभी ने डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम शिक्षा गुणवत्ता अभियान में सौ बिन्दुओं में अच्छा काम किया और अधिकाँश शालाओं में काफी सुधार देखने को मिला | गत वर्ष के सौ बिंदु , शालाओं में गुणवत्ता सुधार हेतु आवश्यक वातावरण बनाने की दृष्टि से तय किए गए थे | इन बिन्दुओं पर सभी शालाओं में नियमित रूप से कार्य करना अति आवश्यक है | हमें इस वर्ष देखना होगा कि ये सभी बिंदु हमारे सभी शालाओं में लागू हों और उसका प्रभाव बच्चों के उपलब्धि में सुधार के रूप में दिखाई दे |

इस वर्ष माह जुलाई में विशेष ग्राम सभा के माध्यम से शालाओं का सामाजिक अंकेक्षण किया जाना है | माह अगस्त 2016 एवं जनवरी 2017 में दो बार शालाओं का अकादमिक निरीक्षण किया जाएगा | गत वर्ष शालाओं का समग्र आकलन सौ बिन्दुओं पर किया गया था | इस बार शालाओं के बदले कक्षाओं का आकलन किया जाएगा | कक्षाओं के आकलन के आधार पर उस कक्षा को पढ़ाने वाले शिक्षकों के परफोर्मेंस का भी आकलन हो सकेगा | आप सभी से अपेक्षा है कि इस बार कक्षाओं में सीखने-सिखाने का बेहतर वातावरण बनाएंगे ताकि कक्षा के सभी बच्चों को सभी अपेक्षित दक्षताएं अच्छे से आ जाएं |

इस बार सभी शालाओं को अपना मिशन स्टेटमेंट भी तैयार कर उसके अनुसार कार्य करना है | इस अंक में आपको मिशन स्टेटमेंट लिखने का तरीका बताया जा रहा है ताकि आप सब मिलकर अपने-अपने शाला के लिए मिशन स्टेटमेंट लिखकर उसके अनुरूप अपने कार्य निर्धारित कर सकें |

एजेंडा क्रमांक एक: शालाओं में शैक्षिक वातावरण बनाए रखने हेतु अवलोकन के बिंदु

गत वर्ष निर्धारित सौ बिन्दुओं को शाला में बनाए रखने हेतु कम से कम नीचे लिखे बीस बिन्दुओं पर लगातार ध्यान देना होगा | अपने क्षेत्र में मानिटरिंग के लिए उत्तरदायी सभी अधिकारियों को इस प्रकार के टूल अपने स्तर पर विकसित कर नियमित उपयोग हेतु प्रेरित करें |

मेरी शाला में क्या ये सब हो रहा है ?

1. सभी शिक्षक और बच्चे नियमित रूप से शाला आते हैं और सीखने –सिखाने की गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता करते हैं |
2. शाला प्रबन्धन समिति बच्चों के अकादमिक सुधार हेतु नियमित चर्चा एवं आवश्यक कार्यवाहियां करती हैं |
3. बच्चों के पालक विशेषकर माताएं समय समय पर शाला में आकर बच्चों की प्रगति के बारे में चर्चा एवं अपेक्षित सहयोग देते हैं |
4. शाला में शाला विकास योजना बनी है जिसमे गुणवत्ता सुधार पर फोकस है और इसी योजना के अनुरूप शाला में विभन्न कार्य आयोजित किए जा रहे हैं |
5. शाला में सभी कक्षाओं में बच्चों को छोटे-छोटे समूहों में बिठाकर कार्य किया जाता है और एक दूसरे से सीखने के अवसर प्रदान किए जाते हैं |
6. प्रतिमाह निर्धारित अधिगम सूचकांकों के आधार पर कक्षा में पढ़ाई होती है और उसी अनुरूप बच्चों का आकलन किया जाता है |
7. प्रधानाध्यापक सभी शिक्षकों के साथ मिलकर प्रत्येक कक्षा से बेहतर परिणाम लाने की दिशा में कार्य करते हैं |
8. सभी शिक्षक किसी न किसी प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी के साथ जुड़कर अपना क्षमता विकास एवं एक दूसरे से सीखकर नई बातों को अपनी कक्षा में लागू करते हैं |
9. शाला में बच्चों के पठन कौशल के विकास हेतु प्रिंट रिच वातावरण, रीडिंग कार्नर, वाल मैगजीन एवं पुस्तकालयों का नियमित उपयोग किया जा रहा है |
10. कक्षा के 90% से अधिक बच्चे कक्षानुरूप लिख या स्वतंत्र अभिव्यक्ति कर सकते हैं |
11. कक्षा के 90% से अधिक बच्चे कक्षानुरूप गणितीय संक्रियाएं कर सकते हैं |

12. कक्षा के 90% से अधिक बच्चे कक्षानुरूप विज्ञान के प्रश्नों के जवाब दे पाते हैं और अवधारणाओं की समझ रखते हैं |
13. कक्षा के 90% से अधिक बच्चे कक्षानुरूप सामान्य ज्ञान एवं अपने आसपास की समझ रखते हैं |
14. सभी शिक्षकों को अपने सभी बच्चों की अभिरुचि, उनके कमजोर एवं मजबूत पक्षों की जानकारी है |
15. सभी शिक्षकों व्दारा आवश्यकतानुसार अपनी कक्षा को प्रभावी बनाने हेतु सहायक सामग्री का उपयोग किया जाता है |
16. सभी शिक्षक अपने सभी विद्यार्थियों को हमेशा बेहतर प्रदर्शन हेतु प्रोत्साहित करते रहते हैं |
17. शालेय स्वच्छता एवं बच्चों के स्वास्थ्य पर नियमित रूप से ध्यान दिया जाता है |
18. शाला में गणित, विज्ञान एवं टेक्नोलोजी के संबंध में रूचि पैदा करने विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है |
19. शाला के सभी शिक्षक प्रतिमाह बारी-बारी से संकुल को बैठकों में जाते हैं और संकुल समन्वयक व्दारा भी नियमित रूप से कक्षाओं का अवलोकन कर अकादमिक समर्थन दिया जाता है |
20. शिक्षकों के पास ऐसे बच्चों की सूची है जिनके साथ उन्हें विशेष ध्यान देकर काम करने की आवश्यकता होती है |

बच्चों को कौन सी कक्षा में कितने तक का पहाड़ा आना चाहिए ?

रायपुर जिले में प्राथमिक शिक्षकों को पहाडा सिखाने हेतु इस प्रकार का लक्ष्य दिया गया है:

- कक्षा एक एवं दूसरी के बच्चों को दस तक का पहाड़ा आना चाहिए |
- कक्षा तीसरी से पांचवीं तक के बच्चों को बीस तक का पहाड़ा आना चाहिए |
- कक्षा छठवीं से आठवीं तक के बच्चों को पच्चीस तक का पहाड़ा आना चाहिए |

यदि बच्चों को ये सब सिखाना है तो सबसे पहले अपने संकुल के शिक्षकों को भी पहाड़ा की समझ विकसित करवाएँ और उसके बाद पच्चीस तक का पहाड़ा मौखिक समझ के साथ याद करने हेतु आवश्यक सुझाव देवें | उपरोक्त आधार पर आप प्रत्येक कक्षा के लिए माहवार लक्ष्य निर्धारित कर उसकी मानिटरिंग कर सकते हैं |

पहाड़ा याद करने हेतु आप कौन-कौन सी गतिविधियाँ करवा सकते हैं ?

हाथ की उँगलियों की सहायता से नौ का पहाडा कैसे सिखाएंगे ?

क्या आपने नेपियर स्केल का उपयोग कर पहाडा सिखाने का प्रयास किया है ?

पंजाब में प्रार्थना के बाद बच्चे पहाडा दोहराते हैं | क्या हम भी ऐसा कुछ अपने यहाँ कर सकते हैं ?

SCERT के अधिगम सूचकांक को देख कर तय करे कि कौन सी कक्षा में कहा तक का पहाड़ा जानना चाहिए |

SCERT द्वारा प्रारंभिक गणितीय कौश के लिए तैयार की गई विभिन्न गतिविधियों की जानकारी आप alokshukla.com नामक वेबसाईट में अपने आपको पंजीकृत कर ले सकते हैं| इस हेतु आपका मोबाइल नंबर और Email आवश्यक होगा |

एजेंडा क्रमांक दो: कक्षाओं के आकलन के लिए आवश्यक तैयारियां

इस बार माह अगस्त, 2016 और जनवरी, 2017 में गत वर्ष की भाँति जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों व्दारा शालाओं का अकादमिक निरीक्षण किया जाएगा | गत वर्ष सौ बिन्दुओं पर शालाओं का अवलोकन किया गया था जो कि शाला के अकादमिक पहलुओं को फोकस करते हुए समग्र बिन्दुओं पर था | इस बार हम शाला से और निचले क्रम पर उतरते हुए कक्षा स्तर पर जा रहे हैं | इस बार शाला के प्रत्येक कक्षा में दर्ज सभी बच्चों का आकलन किया जाएगा | आकलन के आधार पर सफल कक्षा उसी को घोषित किया जाएगा जिसके 75% बच्चे दस में से सात प्रश्नों के सही सही जवाब दे पा रहे हों | इस बार पूछे जाने वाले प्रश्नों के कुछ उदाहरण इस प्रकार हैं:

1. क्या कक्षा पहली के बच्चे अपने नाम के स्लिप की पहचान कर पा रहे हैं ? (बच्चों के नामों के अलग-अलग स्लिप में से बच्चे अपने नाम की स्लिप पहचान कर उठा पा रहे हैं | इस हेतु गत वर्ष कक्षा पहली के बच्चों के नामों के स्लिप कक्षा में रखने एवं रोज कक्षा में आते ही अपने अपने नाम के स्लिप टोकरी से उठाने की गतिविधि करने के सुझाव दिए गए थे | <u>इसे इस वर्ष भी सभी शालाओं में तत्काल प्रारंभ करें</u> ताकि माह अगस्त तक बच्चे अपना नाम पहचानने लगें, भले ही उन्हें वर्णमाला नहीं आती हो |)
2. क्या कक्षा पहली दूसरी के बच्चे आसपास उपलब्ध वस्तुओं के लिखे नामों को पहचान पा रहे हैं ? (गत वर्ष सभी शालाओं को प्रिंट रिच वातावरण बनाने हेतु लगभग पचास वस्तुओं के नाम हिन्दी, अंग्रेजी एवं स्थानीय भाषा में लिखने के सुझाव दिए गए थे और बच्चों को यह बताते हुए उन्हें जैसा आप बोलते हैं वैसा ही लिखा गया है, अपने आप लिखे शब्दों को पहचानने और पढ़ने की कोशिश करने को कहां गया था | इस बार बच्चों के आकलन में ऐसे ही शब्दों को एक साथ श्यामपट पर लिखकर बारी बारी से बच्चों को अलग अलग शब्दों को पढ़ने का अवसर दिया जाएगा |)
3. क्या कक्षा तीसरी से पांचवीं तक के बच्चे शाला में गत माहों में उपलब्ध वाल मैगजीन से आलेख वगैरह पढ़ पा रहे हैं ? (गत वर्ष प्रतिमाह बच्चों के सहयोग से मासिक वाल मैगजीन निकालने का सुझाव दिया गया था | इस बारे में अधिक जानकारी चर्चा पत्र के माध्यम से भी उपलब्ध कराई गयी थी | गत कुछ माहों के वाल मैगजीन को अलग अलग कक्षाओं में ले जाकर उसमे से विभिन्न आलेखों को बच्चों को बारी- बारी से पढ़ने के अवसर दिए जाएंगे | यदि आपने अपनी शाला

में इनका नियमित उपयोग किया है तो बच्चे उन्हें ठीक से पढ़कर सुना सकेंगे | अतः पुराने वाल मैगजीन इस कार्य हेतु तैयार रखें |)

4. **क्या बच्चे रीडिंग कार्नर/ गणित कार्नर / विज्ञान कार्नर में से पूछी गयी कुछ गतिविधियों को कर पा रहे हैं ?** (गत वर्ष शाला में ऐसे कार्नर्स तैयार कर बच्चों को उनका नियमित उपयोग करने के सुझाव दिए गए थे | यदि आपने इन्हें तैयार कर नियमित उपयोग में लाया है तो बच्चे पूरे आत्मविश्वास के साथ इनके माध्यम से पढ़ना, गणितीय एवं विज्ञान से संबंधित विभिन्न गतिविधियाँ कर सकेंगे | अतः ये सभी कॉर्नर तत्काल तैयार कर उपयोग करें |)
5. **क्या बच्चे अपने आसपास के बारे में पूछे गए सामान्य प्रश्नों के जवाब ठीक से दे पा रहे हैं ?** (गत वर्ष के सौ बिन्दुओं में यह भी एक प्रमुख बिंदु था | इसकी तैयारी हेतु अभिव्यक्ति के कालखंड में आपको बच्चों के साथ अच्छी तैयारी करवानी होगी |

ये कुछ नमूने हैं जिससे आपको यह तो समझ में आ गया होगा कि आपको माह अगस्त एवं जनवरी में होने वाले अकादमिक निरीक्षण हेतु बच्चों के साथ किस प्रकार की तैयारी करवानी होगी | यहाँ इस बात को ध्यान में रखना होगा कि इस बार सौ बिन्दुओं पर सभी शालाओं में विभागीय अधिकारियों व्दारा अच्छी तरह से परीक्षण कर लिया जाए कि सही भावना के साथ बिना किसी दिखावे के इनका कक्षाओं में नियमित उपयोग हो रहा है और उससे बच्चों को फायदा मिल रहा है | अब संकुल स्तर पर निर्धारित अधिगम सूचकांकों के आधार पर ऐसे कुछ गतिविधियाँ एवं प्रश्न तैयार कर बच्चों के साथ कार्य किए जाने की योजना बनाकर शीघ्र कार्यवाही प्रारंभ करें ताकि सभी क्षेत्रों में बच्चों में अपेक्षित दक्षताएं हासिल हो जाएं |

दोनों बार के अकादमिक निरीक्षण के दौरान यह जानने का प्रयास किया जाएगा कि प्रथम चरण में कितनी शालाओं में अपेक्षित स्तर है और द्वितीय बार में इस स्थिति में कितना परिवर्तन आया है | प्राथमिक शाला में पांच कक्षाओं एवं उच्च प्राथमिक शाला में तीन कक्षाओं का आकलन किया जाएगा | सेक्शन अधिक होने की स्थिति में इसमें बढ़ोत्तरी हो सकती है | प्रत्येक कक्षा एवं विषय के साथ संबंधित शिक्षक के परफोर्मेंस का भी आकलन हो सकेगा |

आशा है आप तैयार रहेंगे ! इस बार डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम शिक्षा गुणवत्ता अभियान में हम अपनी कक्षाओं की तस्वीर बदलने की पूरी कोशिश करेंगे |

एजेंडा क्रमांक तीन: सीखने के स्तर में सुधार हेतु कार्यक्रम:

इस बार डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम शिक्षा गुणवत्ता अभियान में आपको अपनी कक्षा का प्रदर्शन बेहतर करने हेतु विभिन्न प्रयास करने अत्यंत आवश्यक होंगे | तभी आप अपेक्षित परिणाम दिखा सकेंगे | इस हेतु RTE Watch कार्यक्रम के अंतर्गत लर्निंग इम्प्रूव्मेंट प्लान बनाकर उसके अनुरूप कार्य किया जा रहा है | आपको नीचे एक उदाहरण दिया जा रहा है | आपको यदि और अधिक प्लान देखने की इच्छा हो तो इस प्रकार के विभिन प्लान RTE Watch के वेबसाईट www.cgrtewatch.in में उपलब्ध कराए जा रहे हैं | इस हेतु यूजर नेम cgstate और पासवर्ड rtewatch डाल कर आरटीई वाच के विभिन्न रिपोर्टों को देखा जा सकता है |

(#) लर्निंग इम्प्रूवमेट प्लान - भाषा कक्षा 3

आरटीई वाच रिपोर्ट चरण .... वर्तमान दक्षता स्तर, बच्चों का प्रतिशत - कुछ सही हल करने वाले 53.65 पूर्ण गलत करने वाले 0 बिलकुल भी प्रयास नहीं करने वाले 1.56						
दक्षता जिस पर कार्य किया जाना है (1) स्वर एवं व्यंजन की पहचान (2) भाषा समझ एवं इस्तेमाल (3) शब्द सुनकर लिखना						
विद्यार्थियों को करवाई जाने वाली अकादमिक गतिविधिया - कक्षा / कक्षाए .... विद्यार्थियों की संख्या						
क्र.	गतिविधि	गतिविधि से प्राप्त होने वाली अपेक्षित दक्षता	समय दिनांक / सप्ताह / माह	गतिविधि हेतु ली जाने वाली सहायता	समाप्ति सूचक	रिमार्क
1	1 स्वर कार्ड के माध्यम से स्वर के उच्चारण एवं पहचान को दुरूस्त करना। 2 व्यंजन कार्ड के माध्यम से व्यंजन के उच्चारण एवं पहचान को दुरूस्त करना। 3 चित्र कार्ड के माध्यम से स्वर व व्यंजन की पहचान कराना।	स्वर एवं व्यंजन को पहचान सकने की समझ।	एक माह/ जुलाई	स्वर कार्ड, व्यंजन कार्ड, चित्र कार्ड	स्वर एवं व्यंजन को पढ़ने एवं लिखने की समझ।	
2	1. वाक्यों का सरल भाषा में समझाना 2 अनुच्छेदों का पठन एवं पाठन	वाक्यों को पढ़कर समझाना एवं निजी जीवन में उपयोग करना।	एक माह/अगस्त	वाक्य पट्टी, अनुच्छेद कार्ड	वाक्यों को समझ के साथ पढ़ने में सक्षम	
3	1. अक्षर पहचान 2. मात्रा ज्ञान 3. चित्र दिखाकर लिखने का अभ्यास, 4. श्रुत लेखन	शब्द को लिखने व पढने में सक्षम	एक माह/सितम्बर	अक्षर कार्ड, मात्रा कार्ड, शब्द कार्ड, चित्र कार्ड	शब्दों को पढ़ना, लखना और समझने में सक्षम	

(#) लर्निंग इम्प्रूवमेंट प्लान - गणित कक्षा 3

आरटीई वाच रिपोर्ट चरण .... वर्तमान दक्षता स्तर, बच्चों का प्रतिशत - कुछ सही हल करने वाले 49.47 पूर्ण गलत करने वाले 6.89 बिलकुल भी प्रयास नहीं करने वाले 28.57						
दक्षता जिस पर कार्य किया जाना है (1) संख्या पहचान (2) दो अंको का दो अंको से घटाव हासिल और बिना हासिल का (3) दो अंक वाली संख्या में एक अंक वाली संख्या का गुणा						
विद्यार्थियों को करवाई जाने वाली अकादमिक गतिविधिया - कक्षा / कक्षाए .... विद्यार्थियों की संख्या						
क्र.	गतिविधि	गतिविधि से प्राप्त होने वाली अपेक्षित दक्षता	समय दिनांक / सप्ताह / माह	गतिविधि हेतु ली जाने वाली सहायता	समाप्ति सूचक	रिमार्क
1	1 अंक कार्ड के माध्यम से संख्या को पहचान कर लिखवाना। 2 स्थानीयमान की सही समझ विकसित कराना 3 अंको एवं शब्दों में लिखना सीखाना।	संख्या को लिखने व पढने में सक्षम	एक माह / जुलाई	अंक कार्ड, शब्द कार्ड, स्थानीयमान पट्टी	संख्या पहचान करने की क्षमता।	
2	1 घटाव के अवधारणा से सम्बंधित गतिविधि करना 2 स्थानीयमान का ज्ञान कराना	हासिल व बिना हासिल वाला घटाना को करने में सक्षम	एक माह/ अगस्त	अंक कार्ड, स्थानीयमान पट्टी	घटाव को करने की क्षमता	
3	1 गुणा के अवधारणा से सम्बंधित गतिविधि करना 2 स्थानीयमान का ज्ञान कराना	गुणा को करने में क्षमता	एक माह/ सितम्बर	ठोस वस्तु , स्थानीयमान पट्टी	गुणा को करने की क्षमता	

(#) लर्निंग इम्प्रूवमेंट प्लान - भाषा कक्षा 5

आरटीई वाच रिपोर्ट चरण .... वर्तमान दक्षता स्तर, बच्चों का प्रतिशत - कुछ सही हल करने वाले 51.42 पूर्ण गलत करने वाले 12.2 बिलकुल भी प्रयास नहीं करने वाले 3.87						
दक्षता जिस पर कार्य किया जाना है (1) व्याकरण भाषा एवं लिंग समझ (2) व्याकरण भाषा बहुवचन की समझ (3) भाषा की व्यवहारिक समझ एवं इस्तेमाल						
विद्यार्थियों को करवाई जाने वाली अकादमिक गतिविधिया - कक्षा / कक्षाए .... विद्यार्थियों की संख्या						
क्र.	गतिविधि	गतिविधि से प्राप्त होने वाली अपेक्षित दक्षता	समय दिनांक / सप्ताह / माह	गतिविधि हेतु ली जाने वाली सहायता	समाप्ति सूचक	रिमार्क
1	1 शाला व परिवार के सदस्यों का उदाहरण देकर लिंग की अवधारणा को बताना। 2. चित्रों के माध्यम से लिग की पहचान 3 आसपास के लोगो का उदाहरण देकर समझाना	लिंग को समझ कर पहचान करने की क्षमता	एक माह / जुलाई	चित्रकार्ड	लिंग की समझ	
2	1 चित्रकार्ड के माध्यम से एकवचन और बहुवचन की गतिविधी से वचन की पहचान कराना। 2 ठोस वस्तुओं के माध्यम से एकवचन और बहुवचन की गतिविधी से वचन की पहचान कराना।	वचन को पहचान करने की क्षमता	एक माह / अगस्त	ठोस वस्तु, चित्र कार्ड	वचन की समझ	
3	1 वाक्यों का सरल भाषा में समझाना 2 अनुच्छेदों का पठन एवं पाठन	वाक्यों को पढकर समझना एवं निजी जीवन में उपयोग करना।	एक माह / सितम्बर	वाक्य पट्टी, अनुच्छेद कार्ड	वाक्यों को समझ के साथ पढ़ने में सक्षम	

(#) लर्निंग इम्प्रूवमेंट प्लान - गणित कक्षा 5

आरटीई वाच रिपोर्ट चरण .... वर्तमान दक्षता स्तर, बच्चों का प्रतिशत - कुछ सही हल करने वाले 22.44 पूर्ण गलत करने वाले 11.44 बिलकुल भी प्रयास नहीं करने वाले 28.74						
दक्षता जिस पर कार्य किया जाना है (1) जोड़ एवं घटा की संक्रिया की व्यवहारिक समझ (2) दो अंको का दो अंको से गुणा (3) दो एवं तीन अंको में दो अंको का भाग						
विद्यार्थियों को करवाई जाने वाली अकादमिक गतिविधिया - कक्षा / कक्षाए .... विद्यार्थियों की संख्या						
क्र.	गतिविधि	गतिविधि से प्राप्त होने वाली अपेक्षित दक्षता	समय दिनांक / सप्ताह / माह	गतिविधि हेतु ली जाने वाली सहायता	समाप्ति सूचक	रिमार्क
1	1 जोड़, व घटा, से सम्बंधित प्रश्नों को समझाकर निजी जीवन में उपयोग के तरीकों को बताना।	संक्रियाओं को समझकर निजी जीवन में उपयोग करने की समझ।	एक माह/जुलाई	अंक कार्ड, इबारती प्रश्नों का संग्रह	संक्रियाओं को समझकर निजी जीवन में उपयोग करने की समझ।	
2	1. पहाड़ा ज्ञान 2. स्थानीयमान 3. गुणा की अवधारणा का परिचय	गुणा को करने में सक्षम	एक माह/अगस्त	पहाड़ा, स्थानीयमान पट्टी	भाग की समझ	
3	1. पहाड़ा का ज्ञान 2. भाग की अवधारणा 3. स्थानीयमान का ज्ञान	दो एवं तीन अंको के भाग को करने में सक्षम	एक माह/सितम्बर	पहाड़ा, स्थानीयमान पट्टी	गुणा की समझ	

आप भी अपने संकुल में बच्चों के द्वारा पूर्व में किए गए प्रदर्शनों के आधार पर स्थिति में सुधार हेतु ठोस योजना बना कर कार्य सम्पादित करेंगें |

गत वर्ष चर्चा पत्र के प्रत्येक अंक में हम किसी एक शिक्षक के कार्यों के बारे में आपसे परिचय कराते थे | इस वर्ष से हम प्रत्येक अंक में किसी एक जिले में बेहतर कार्य कर रहे प्रोफेशनल लर्निंग कम्यूनिटी (PLC) के बारे में आपको जानकारी देना चाहेंगें ताकि अन्य PLC भी प्रोत्साहित होकर वैसा या उससे बेहतर कार्य कर सकें| कृपया इस हेतु अपने आस-पास बेहतर कार्य कर रहे PLCs का पूर्ण विवरण एवं संपर्क हेतु मोबाइल/whatsapp एवं Email ID के साथ हमे लिख भेजें| हमारा Email ID- mis.head@gmail.com हैं |

एजेंडा क्रमांक 4: शाला में मिशन स्टेटमेंट तैयार करना

जब आप किसी वर्ष खेती की योजना बनाते हैं तो आप क्या-क्या सोचकर निर्णय लेते हैं ?

- उस मौसम में मैं कौन सी फसल उगाऊं ?
- क्या मेरी जमीन उस फसल के लायक है?
- फसल उगने में कितना समय लगेगा ?
- क्या इस क्षेत्र में यह फसल भरपूर पैदावार देती है ?
- क्या मेरे पास इसके लिए आवश्यक संसाधन, खाद, पानी आदि की व्यवस्था हो सकेगी ?
- क्या मेरी मेहनत का फायदा मिल सकेगा ?

यदि आप ये सब सोचे समझे बिना कोई भी फसल उगा देंगे तो क्या होगा ? क्या आप इन सबके लिए अपने घर-परिवार के साथ बैठकर निर्णय नहीं लेते ? अब इसके आधार पर आप यह निर्णय लेते हैं कि- "मैं खेतों में प्रतिवर्ष अतिरिक्त फसल उगाकर लाभ लूंगा"

उक्त वाक्य के आधार पर यदि आप सब मिलकर यह तय करते हैं कि - "मैं इस बार गर्मी के मौसम में कम पानी की स्थिति में मूंगफली की फसल लूंगा जिससे मुझे अतिरिक्त लाभ मिल सकेगा"

तो आपका पहला वक्तव्य आपके विजन को दर्शाता है जबाकि दूसरा वक्तव्य उस विजन के आधार पर आपके मिशन स्टेटमेंट को प्रदर्शित करता है |

तो आप इस बात से सहमत होंगे कि किसी भी कार्य की सफलता के लिए आपके पास एक उद्देश्य या मिशन होना चाहिए | बिना मिशन के आगे बढ़ना ठीक उसी प्रकार होता है जैसे कि कोई नाविक बिना चप्पू के हवा के भरोसे आगे बढ़ रहा है | उसका अपना कोई तय रास्ता नहीं होता और वह भगवान भरोसे आगे किसी भी दिशा में बढता रहता है |

क्या आपने अपनी शाला के लिए मिशन स्टेटमेंट तैयार किया है और उसके अनुरूप आपकी शाला में कार्य होता है ? यदि अब तक नही बनाया है तो क्या आप नहीं चाहेंगे कि आपकी शाला में भी एक विजन, मिशन हो और आप सब एक लक्ष्य एवं उद्देश्य के साथ आगे बढ़ें ?

जब आप अपनी शाला या संकुल के लिए इस प्रकार के मिशन स्टेटमेंट तैयार करने की बात छेड़ेंगे तो सबसे पहले आपके इस प्रस्ताव का विरोध आपको झेलना पड सकता है | क्योंकि –

- अब तक तो सब ठीक चल रहा है तो ऐसे में इस नए चीज की क्या आवश्यकता है ?
- क्या मैं यह सब नया कर पाऊंगा ? इससे हमें क्या लाभ होगा ?
- मैं क्यों अपने आपको इस उम्र में बदलूं ? क्या यह सब मेरे स्कूल में हो पाएगा ?

यदि आपके दबाव में आकर वे अपनी शाला के लिए हडबडी में अपना मिशन स्टेटमेंट बना भी लें तो क्या इन सबका पालन हो पायेगा ? क्या वे इन्हें अपनी शाला में पूरे मन से लागू कर पाएंगे ?

तब फिर अपनी शाला के लिए मिशन स्टेटमेंट बनाने का सही तरीका क्या हो ?

इसके लिए सबसे पहले आपको मिलकर एक टीम बनानी चाहिए जो मिशन स्टेटमेंट बनाने की दिशा में सोचना प्रारंभ करे | इस टीम में शिक्षक, शाला प्रबंधन समिति, पालक, समुदाय, शिक्षाविद, जन-प्रतिनिधि एवं बच्चों को आवश्यक रूप से शामिल करें | सबके साथ मिल बैठकर एक साझा समझ बनाने से ही बेहतर परिणाम सामने आ सकेंगे |

आपको सबके साथ मिलकर इन मुद्दों पर सोचना होगा –

- हम अपनी शाला को कैसा बनाना चाहते हैं ?
- हमारी शाला का मिशन क्या होना चाहिए ?
- क्या हमारे पास वैसा बनने के लिए पर्याप्त संसाधन हैं ?
- हमें अपने मिशन को प्राप्त करने के लिए अभी कर रहे कार्यों से हटकर क्या करना होगा ?
- हम दूसरी शालाओं से अलग किस प्रकार से बन सकते हैं ?

शाला के लिए मिशन स्टेटमेंट लिखने हेतु सबसे पहले अपने स्कूल एवं आसपास की स्थिति का विश्लेषण करना आवश्यक है | इसे SWOT Analysis के माध्यम से किया जा सकता है |

Strength आपके मजबूत पक्ष	आपके यहाँ पालक विशेषकर माताएं बच्चों की पढाई के लिए बहुत जागरूक हैं	हमारे स्कूल में शिक्षकों के साथ-साथ माताओं व्दारा भी बच्चों के पढाई के लिए भरपूर योगदान दिया जाता है |
Weakness आपके कमजोर पक्ष	बच्चों की अनियमित उपस्थिति से पढाई प्रभावित होती है	हमारे स्कूल में शिक्षक एवं बच्चे उपस्थिति के मामले में नियमित रहेंगे और कोई भी कक्षा बंक नहीं की जायेगी |
Opportunities उपलब्ध अवसर	गाँव में गणित अध्यापन के लिए सेवानिवृत्त शिक्षक हैं जो शाला और शाला समय के बाद भी अपनी सेवा देना चाहते हैं	बच्चों की गणित विषय की उपलब्धि में कम से कम 25% सुधार आयेगा
Threats चुनौतियां	लड़कियों को शाला आते समय छेड़-छाड़ का सामना करना पड़ता है	हमारे शाला में लड़कियों व्दारा मीना मंच बनाया गया है और उन्हें आत्मसुरक्षा के लिए प्रशिक्षित किया जाता है

इस प्रकार से विश्लेषण के आधार पर आपको अपने स्कूल के लिए विजन एवं मिशन स्टेटमेंट बनाने में आसानी होगी |

मिशन स्टेटमेंट बनाने के बाद इसे शाला से जुड़े सभी लोगों यथा शिक्षक, पालक, शाला प्रबंधन समिति, समुदाय से साझा कर उनसे भी सहमति एवं सुझाव लिए जाने चाहिए ताकि जब इसे कार्यान्वित किया जाना हो तो सभी का अपेक्षित सहयोग मिल सके |

इस प्रकार मिशन स्टेटमेंट को अंतिम रूप देते समय इन बातों को हमें ध्यान में रखना होगा:

- मिशन स्टेटमेंट विजन स्टेटमेंट से बड़ा होना चाहिए |
- मिशन स्टेटमेंट सरल भाषा में लिखा हो ताकि सबको समझ में आए |
- मिशन स्टेटमेंट बहुत अधिक लंबा नहीं होना चाहिए |
- मिशन स्टेटमेंट वर्तमान परिस्थितियों एवं संसाधनों की सीमा के भीतर लागू किए जाने योग्य होना चाहिए |
- मिशन स्टेटमेंट राष्ट्रीय पाठ्यचर्या एवं प्रचलित नियमों के अनुरूप होना चाहिए |

इस प्रकार मिशन स्टेटमेंट पर सहमति बनने पर उसका व्यापक प्रचार-प्रसार होना चाहिए | पालकों के साथ शेयर करने के साथ-साथ प्रार्थना, विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं अन्य अवसरों पर मिशन स्टेटमेंट के साथ-साथ उसकी प्राप्ति के लिए किए जा रहे विभिन्न प्रयासों एवं सभी से उसके लिए आवश्यक अपेक्षित सहयोग आदि की जानकारी भी देते रहना चाहिए |

मिशन स्टेटमेंट बन जाने के बाद उसे प्राप्त करने के लिए लक्ष्य का निर्धारण आवश्यक होता है | आपको ऐसे लक्ष्य तय करते समय यह ध्यान में रखना होगा कि ये लक्ष्य – SMART GOALS के रूप में हों अर्थात-

Specific	स्टेटमेंट बिलकुल स्पष्ट एवं विशिष्ट होना चाहिए	माह जुलाई के आकलन में बच्चों के गणित का स्तर 54% से बढाकर 75% तक बढ़ चुका होगा
Measurable	स्टेटमेंट बिलकुल मापा जा सकने योग्य होना चाहिए	कक्षा छठवीं के 90% से अधिक बच्चे सामान्य ज्ञान के सरल प्रश्नों के उत्तर दे सकेंगे |
Achievable	स्टेटमेंट को आसानी से या थोड़ा मेहनत कर प्राप्त किया जा सकना चाहिए	कक्षा एक के बच्चे अंग्रेजी में पांच सौ शब्दों में निबंध लिख सकेंगे – ऐसे लक्ष्य प्राप्त करना मुश्किल है
Relevant	स्टेटमेंट शिक्षा से जुड़े एवं सार्थक होने चाहिए	हमारी शाला अंतरिक्ष में बच्चों को ले जाने हेतु तैयारी कर रही है – ऐसे स्टेटमेंट से बचना चाहिए
Time-frame	स्टेटमेंट में प्राप्त किए जाने वाले लक्ष्यों के लिए समय सीमा का निर्धारण होना चाहिए	तीन वर्ष के भीतर शाला के सभी बच्चे अपने कक्षानुरूप भाषाई दक्षता प्राप्त कर सकेंगे

उपरोक्तानुसार स्मार्ट लक्ष्य निर्धारित करने के बाद बारी आती है स्मार्ट एक्शन स्टेप्स की | एक्शन स्टेप्स डिजाइन करते समय हमें इन प्रश्नों को ध्यान में रखना होगा:

Why - यह कार्य करना क्यों आवश्यक है?

Who - कौन जिम्मेदार होंगे? कौन-कौन शामिल होंगे?

What - क्या करना होगा? किया जाना होगा ?

When - कब तक यह कार्य किया जाना होगा?

How – कैसे इसे मापा जाएगा? कैसे जानेंगे कि आप सफल हुए ?

और अंत में इस प्रकार से मिशन स्टेटमेंट के आधार पर हमें अपने शाला के लिए शाला सुधार कार्यक्रम (School Improvement Plan) बनाया जाना होगा |

"वर्षा ऋतु में अपने संकुल की शालाओं में वृक्षारोपण एवं वर्षा ऋतु के जल सरंक्षण के बारे में जानकारी एवं महत्व से अवश्य रूप से अवगत कराने हेतु विशिष्ट कार्ययोजना बनाएँ"

मिशन स्टेटमेंट के कुछ उदाहरण:

- हमारी शाला अपने विद्यार्थियों को नियमित रूप से बेहतर से बेहतर अकादमिक प्रदर्शन करने हेतु प्रेरित करेगी और आगामी दो वर्षों के भीतर कक्षा के 90% से अधिक बच्चे संतोषजनक स्थिति को प्राप्त करेंगे |
- हमारी शाला के विद्यार्थी आगामी छह माह के भीतर .... विषय में वर्तमान स्तर से कम से कम ----% अधिक परिणाम देते हुए निरंतर प्रगति करेंगे |
- हमारी शाला में सभी विद्यार्थियों को उनके आयु अनुरूप दक्षताओं के विकास हेतु आवश्यक कार्यवाहियां की जाते हुए सभी में सुधार लाया जाएगा और 90% से अधिक विद्यार्थी आयु-अनुरूप दक्षताओं को प्राप्त कर सकेंगे |
- हमारी शाला के शिक्षक विभिन्न प्रकरणों को सहायक सामग्री का उपयोग कर सिखाएंगे एवं बच्चों में विषय के प्रति रूचि विकसित कर सकेंगे |
- हमारी शाला के बच्चे शालेय स्वच्छता का विशेष ध्यान रखेंगे एवं शाला परिसर के साथ साथ अपने घर एवं आसपास की सफाई के प्रति हमेशा सजग और सक्रिय रहेंगे |
- हमारी शाला में शिक्षक लगातार अपनी जानकारी को अद्यतन रखने स्व-अध्ययन कर बच्चों को नवीन जानकारियाँ देंगे और एक दूसरे से सीखने हेतु प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी के माध्यम से नियमित रूप से कार्य करेंगे |
- हमारी कक्षाओं में बच्चों को छोटे-छोटे समूहों में बिठाकर एक दूसरे के साथ कार्य करते हुए सक्रिय रहकर कार्य करने हेतु प्रेरित किया जाता है और इस हेतु अवसर दिए जाते हैं |
- हमारी शाला के विद्यार्थी अपने शिक्षकों, पालकों एवं बड़े-बुजुर्गों के साथ बहुत सम्मान एवं आदर के साथ पेश आते हैं और उनकी आज्ञाओं का पालन करते हैं |
- हमारी शाला में सभी शिक्षक एवं बच्चे नियमित शाला आएँगे एवं सीखने-सिखाने की प्रक्रिया में सक्रिय सहभागिता करेंगे |
- हमारी शाला में बच्चों को स्व-अनुशासन में रहते हुए अपने निरंतर विकास के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा |
- हमारी शाला में पढने वाले विद्यार्थियों में अपने जीवन में सकारात्मक दृष्टिकोण रखते हुए आगे बढ़ने हेतु आवश्यक माहौल बनाया जाएगा |
- हमारी शाला में बाधा-रहित वातावरण विकसित करते हुए दिव्यांग बच्चों को अन्य बच्चों के साथ शिक्षा दिए जाने की नियमित व्यवस्था की जाएगी |
- हमारी शाला के बच्चों को पुस्तकें पढ़ने की आदत विकसित करने हेतु विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की जाएँगी और प्रत्येक कक्षा में उनके अपने स्तर का एक पुस्तकालय होगा |
- हमारी शाला के प्रत्येक कक्षा में गणित एवं विज्ञान को करके सीखने एवं छोटे-छोटे प्रयोगों को किए जाने हेतु आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध होंगी |
- हमारी शाला के बच्चे अपने आसपास बड़े-बुजुर्गों को साक्षर बनाने में सहयोग देते हुए अपने क्षेत्र को पूर्ण साक्षर बनाएंगे |

- हमारी शाला अपने आसपास के क्षेत्र में स्वच्छता का प्रचार-प्रसार करते हुए अपने क्षेत्र के ग्रामो को खुले शौच से मुक्त ग्राम बनाएंगे |
- हमारी शाला में बच्चों को शुरू से ही प्री-व्यावसायिक शिक्षा के प्रति रुझान विकसित करने हेतु विभिन्न व्यवसायों से अवगत कराते हुए उनकी रूचि की जानकारी लेते हुए तदनुरूप कार्य किया जाएगा |

मिशन स्टेटमेंट के साथ कार्य:

आपने यह जान लिया कि मिशन स्टेटमेंट कैसे लिखा जाता है | अब यह जानने की जरूरत है कि इस कार्यक्रम को कैसे लागू करें | इस हेतु निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखें-

- आप अपने स्कूल, संकुल, विकासखंड अथवा जिले के लिए भी अपना एक यूनिक मिशन स्टेटमेंट बना सकते हैं |
- एक बार सभी संबंधितों के साथ चर्चा कर मिशन स्टेटमेंट बनाने का प्रयास करें |
- मिशन स्टेटमेंट को अपने शाला के किसी विशिष्ट स्थल पर लिखकर भी प्रदर्शित करें |
- इसे न्यूपा की शाला सिद्धि वेबसाईट में भी डाला जाना है जिसके लिए दिशानिर्देश एस.सी.ई.आर.टी. की ओर से दिया जा रहा है |
- सीजी एजुट्रेक के माध्यम से शालाओं की मानिटरिंग के दौरान अगले माह से आपके व्दारा दीवार पर लिखे गए मिशन स्टेटमेंट की तस्वीर भी वेबसाईट में अपलोड की जाएगी |
- मिशन स्टेटमेंट के अनुरूप शाला की विभिन्न गतिविधियों का संचालन करें |

एक बार एक कुँए से बहुत सी महिलाएं पानी भरने एकत्रित हुईं | वे आपस में बातें कर रही थी | इतने में उनमे से एक का बच्चा वहां से गुजरा | उसकी माँ ने अपने बच्चे की तारीफ़ में कुछ शब्द बोले और कहा कि वह बहुत बड़े निजी शाला में पढता है | इतने में उनमे से एक और महिला का बेटा वहां से गुजरा | उसकी माँ ने भी शान से बताया कि उसका बेटा शहर के एक बड़े स्कूल में पढता है | एक एक करके सभी के बच्चे वहां से गुजरे और सभी ने अपने बच्चे और उसके स्कूल की खूब बढ़ा-चढ़ा कर तारीफ़ की | अंत में एक महिला का बेटा वहां से गुजरा और अपनी माँ को कुँए से पानी भरते देख वह वहां पहुँच गया और अपनी माँ से बाल्टी लेकर पानी निकालकर घड़े में भरकर घर की ओर जाने लगा | जब अन्य महिलाओं से उसके बच्चे के स्कूल में बारे में जानना चाहा तो उसने बड़े सादगी से बताया कि उसका बेटा गाँव के सरकारी स्कूल में पढता है | उस स्कूल के सभी गुरूजी उस स्कूल के सभी बच्चों को अपने माता-पिता का सम्मान, सेवा और आदर करने की आदत बचपन से ही डलवाते हैं |

- *आपके अनुसार इस सरकारी स्कूल का मिशन स्टेटमेंट क्या होना चाहिए ?*

एजेंडा क्रमांक पांच: अध्यापन एक कुछ उदाहरण:

- बच्चों को रोज लंबे लंबे व्याख्यान या लेक्चर देने और बहुत सी नीरस बातों को बिना समझे रटवाने के बदले अध्यापन के कुछ नवीन तरीके खोजने या सोचने चाहिए ताकि न केवल आपको अपने आप में एक बदलाव महसूस हो बल्कि आपके विद्यार्थी भी आपके इस नए तरीके से प्रभावित हो जाएं |

टेस्ट लेने का एक प्रजातांत्रिक तरीका

- आप जिस कक्षा को पढ़ा रहे हैं मान लीजिए कि उसमे चालीस विद्यार्थी हैं | आप जिस पुस्तक को पढ़ा रहे हैं उसमे बीस पाठ हैं | आपको पहले सेमेस्टर के आधार पर टेस्ट लेना है | पहले सेमेस्टर में कुल पांच गद्य एवं दो पद्य के आधार पर परीक्षा ली जानी है | आपने सभी बच्चों को पढ़ने का पर्याप्त समय दिया |
- टेस्ट के कुछ दिन पहले ही आप बच्चों से पूछते हैं कि उनको पांच गद्य में से कौन से तीन गद्य अच्छे लगते हैं और दो पद्य में से कौन सा एक पद्य अच्छा लगता है ? सबको इनके नाम एक स्लिप में लिखकर देना है और सभी को अपना-अपना स्लिप डालने के लिए एक बैलेट-बाक्स सामने टेबल पर रखा हुआ है |
- शिक्षक विद्यार्थियों के मतों की गणना कर उन सबकी पसंद के तीन गद्य एवं एक पद्य का नामक लिखकर उसे टेस्ट के लिए पढ़कर आने को कहते हैं | बच्चे बहुत खुश हैं, उन्हें प्रजातंत्र का स्वाद चखने जो मिल रहा है |
- मैंने अपनी कक्षा में ऐसा करके देखा है | क्या आप भी नहीं देखना चाहेंगे ?
- बच्चे वास्तव में आपसे बहुत खुश होंगे |

विद्यार्थी शिक्षक की भूमिका में !

इस प्रकार के शिक्षण हेतु कम से कम दो कक्षाओं के बच्चों की आवश्यकता होती है। यहाँ हम कक्षा छः एवं सात का उदाहरण ले रहे हैं।

पहला दिन –

कक्षा सातवीं – शिक्षक अखबार एवं पत्र पत्रिकाओं से कक्षा सात के बच्चों के स्तर एवं प्रत्येक के लिए विभिन्न आलेख इकट्ठा करते है। इन्हें वे एक चार्ट में चिपका देते हैं। वे इतने लेख इकट्ठा करते है कि प्रत्येक बच्चे को एक लेख मिल जाए।

प्रत्येक बच्चे को एक–एक लेख देते हुए उन्हें मौन वाचन कर लेख को समझकर उन पर विभिन्न प्रश्न बनाने के अवसर दिया जाता हैं। प्रश्न बनाते हुए निर्देश इस प्रकार दे सकते हैं –

- ✓ पांच एक वाक्य में उत्तर देने वाले प्रश्न। (1 अंक प्रति प्रश्न)
- ✓ पांच दो या तीन वाक्य में उत्तर देने वाले प्रश्न। (2 अंक प्रति प्रश्न)
- ✓ खाली स्थान की पूर्ति करो। (1 अंक प्रति खाली स्थान)
- ✓ वाक्य बनाने हेतु शब्दों की पहचान। (1 अंक प्रति वाक्य)
- ✓ विशेषण छांटकर अलग करना। (1 अंक प्रति विशेषण)

जिस कागज में प्रश्न बनाया जाता हैं उसमें बच्चे अपना नाम एवं उनको दिए गए आलेख का नाम लिखते हैं ताकि उन्हें पहचाना जा सके।

दूसरा दिन –

अब कक्षा छठवीं के बच्चों का टेस्ट लेना है। इन बच्चों को आलेख पढ़कर उन पर आधारित प्रश्नों में जवाब देने होंगे। बच्चों को अपने लिखित कार्य में अपना नाम लिखना होगा। शिक्षक सभी से ये उत्तर एकत्रित कर लेगें।

तीसरा दिन –

अब कक्षा सात के बच्चों को जिन्होंने जो लेख पढ़े थे और प्रश्न बनाए थे वही प्रश्न और उन पर कक्षा छठवीं के बच्चों द्वारा दिए गए कार्यों को सौपे। कक्षा सात के बच्चे अब शिक्षक की भूमिका में होंगे। वे कक्षा छठवीं के बच्चें की कार्यों को जांचेगे। शिक्षक बाद में इन सभी दस्तावेजों को अपने पास एकत्र करेंगे।

चौथा दिन –

कक्षा छठवीं के बच्चों को अब उनकी उत्तर पुस्तिकाएँ सौंपी जाएगी। बच्चों के नाम उनकी उत्तर पुस्तिकाओं में लिखे होने से इसमें आसानी होगी। कक्षा छठवीं में सातवीं के बच्चों द्वारा बनाए गए प्रश्नों एवं उनके द्वारा जांची गई उत्तरों पर चर्चा करने की आवश्यकता नहीं है। यह व्यवहारिक भी नहीं होगा। बच्चों को चूँकि कक्षा सात के किस बच्चे ने किसका प्रश्न तैयार किया था या किसने किसकी कापी जांची है, मालूम है, उन्हें स्वयं खाली समय में एक दूसरे से चर्चा करने को कहें।

''इसी प्रकार आप अपने नियमित अध्यापन प्रक्रिया से हटकर कुछ नए तरीके ढूढें जिसमें बच्चों को भी शिक्षकों की भूमिका निभाने का अवसर दें। आपको निश्चित रूप से मजा आएगा और बच्चों के व्यवहार में काफी अंतर दिखाई देगा।''

मांग के आधार पर प्रशिक्षण

ट्रेनिंग ऑन डिमांड (TOD) – सभी संकुल शैक्षिक समन्वयक अपने संकुल की शाला का नियमित अवलोकन करते है। इस दौरान उन्हें सभी अध्यापकों की कक्षा को पढ़ाते हुए भी देखना होता है। ऐसे में क्या वे प्रत्येक शाला एवं शिक्षक की प्रशिक्षण आवश्यकताओं की पहचान नहीं कर सकते ?

क्या हम अपने जिले में ऐसा माहौल नहीं बना सकते कि शिक्षक अपने कमजोर अथवा आवश्यकता वाले क्षेत्रों की पहचान कर स्वंय ही अपने लिए किसी विशिष्ट क्षेत्र में प्रशिक्षण की मांग न कर लें।

डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम शिक्षा गुणवत्ता अभियान के अतंर्गत कृपया अपने जिले में जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान के साथ मिलकर मांग के आधार पर प्रशिक्षण (Training on Demand) का कल्चर विकसित करने का प्रयास करें। संकुल की बैठक में चर्चा करें कि यदि ऐसा होता है तो इसके क्या–क्या फायदे होंगे ? और इसे कैसे लागू किया जा सकता है ? प्रोफेशनल लर्निंग कम्यूनिटी (PLC) की इसमें क्या भूमिका हो सकती है ?

कवर पेज के चित्र पर चर्चा :–

- गत वर्षो में शिक्षकों को अध्यापन के लिए कौन–कौन सी नवीन तकनीकें बताई जाती रही है ?
- क्या इन तकनीकों का नियमित उपयोग हमारी कक्षाओं में हो पा रहा हैं ?
- इन तकनीकों के इस्तेमाल में क्या–क्या समस्याएँ हैं ?
- हमारे शिक्षकों को अभी भी परंपरागत तरीकों से अध्यापन करना क्यों पसंद हैं ?
- कैसे हम इन स्थितियों में सुधार ला सकते हैं ?